



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सूचना पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 22-6-23	22-6-23	2	5-6

'अच्छे स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या में योग को अपनाएं : प्रो. काम्बोज

एचएयू में 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम



भारत न्यूज़ | हिसार

योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, आध्यात्मिक रूप से विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विवि के छात्र कल्याण निदेशालय और योग क्लब के संयुक्त रूप से आयोजित

कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

योग अनुदेशक रोहतारा व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आयुष्य मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलावही ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत में सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर ने सभी का स्वागत किया, जबकि हनुम्वि योगा क्लब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवोकेटर डॉ. संदीप आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, साई सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह मौजूद रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

उमर उजाला

दिनांक

22-6-23

पृष्ठ संख्या

4

कॉलम

1-2

अच्छे स्वास्थ्य के लिए रोज करें योग : प्रो. कांबोज



हिसार। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु आध्यात्मिक रूप से भी व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए रोज योग करना चाहिए। यह कहना है एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज का। वे बुधवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योगा क्लब के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्राणायाम का अभ्यास करवाया। इस मौके पर सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलावादी, सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, साई सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह मौजूद रहे। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-6-23	6	6-8

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपनी दिनचर्या में योग को अपनाएं: प्रो. काम्बोज

हिसार, 21 जून (विरेन्द्र वर्मा): योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योगा क्लब के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे

थे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि अगर हमें जिंदगी में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना होगा। योग सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि पूर्व काल में बीमारियों का इलाज करने के लिए चिकित्सालय जैसी सुविधाएँ नहीं थी, उस दौरान योग ही सबसे बड़ा माध्यम



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में योग करते एचएयू कृषि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज सहित अन्य अधिकारीगण।

था, जिससे हर बीमारी का इलाज संभव हो पाया। मुख्यातिथि ने आह्वान किया कि जिंदगी को आनंदित बनाने के लिए सकारात्मक सोच, एकाग्रता व निरंतरता के साथ दैनिक-दिनचर्या में योग जरूर करें। इसके अलावा मुख्यातिथि ने स्वामी विवेकानंद के प्रसंगों को बेहतर

तरीके से प्रस्तुत कर एकाग्रता के साथ योग अपनाने पर भी बल दिया। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलावादी ने भी अंतर्राष्ट्रीय

योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की राशय दिलाई। कार्यक्रम की शुरुआत में सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर ने सभी का स्वागत किया, जबकि हकूवि योगा क्लब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, साई सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह सहित खिलाड़ी व स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्चार पत्र का नाम

दूर - भूमि

दिनांक

२२-६-२३

पृष्ठ संख्या

१०

कॉलम

३

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपनी दिनचर्या में योग को अपनाएं : प्रो. काम्बोज

हिसार। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को सकाक्षता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कही। वे बुधवार को ९वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योग कक्षा के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय प्लावाकी ने भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की शपथ





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-6-22	2	1

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दिनचर्या में योग अपनाएं : बीआर काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है- जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, आध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योगा क्लब के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकाल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। इस दौरान सह-छात्र कल्याण निदेशक डा. संजय एलावादी, सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डा. बलजीत गिरधर, क्लब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डा. मंजू मेहता, साई सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह आदि उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	21.06.2023	--	--

हकृवि में 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन



पांच बजे न्यूज

हिसार। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है- जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। ये बुधवार को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योगा कल्च के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यअतिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि अगर हमें जिंदगी में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्या में योग को शामिल

करना होगा। योग सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि पूर्व काल में बीमारियों का इलाज करने के लिए चिकित्सालय जैसी सुविधाएं नहीं थी, उस दौरान योग ही सबसे बड़ा माध्यम था, जिससे हर बीमारी का इलाज संभव हो पाया। योग अनुदेशक रोहताश व सुमन सहारण ने प्रतिभागियों को आयुष्य मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलावदी ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की शक्ति दिखाई। इस अवसर पर सह-निदेशक छात्र कल्याण (खेल) डॉ. बलजीत गिरधर, हकृवि योगा कल्च के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, सर्व सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह सहित खिलाड़ी व स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	22.06.2023	--	--

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपनी दिनचर्या में योग को अपनाएं : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर

कि अगर हमें जिंदगी में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना होगा। योग सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि पूर्व काल में बीमारियों का इलाज करने के लिए चिकित्सालय जैसी सुविधाएं



हृदय में 9वां
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
पर भव्य कार्यक्रम का
आयोजन हुआ

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योगा क्लब के संयुक्त रूप से आयोजित

कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा

नहीं थी, उस दौरान योग ही सबसे बड़ा माध्यम था, जिससे हर बीमारी का इलाज संभव हो पाया। मुख्यातिथि ने आह्वान किया कि जिंदगी को आनंदित बनाने के लिए सकारात्मक सोच, एकाग्रता व निरंतरता के साथ दैनिक-दिनचर्या में योग जरूर करें। इसके अलावा मुख्यातिथि ने स्वामी विवेकानंद के प्रसंगों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर एकाग्रता के साथ योग अपनाने पर भी बल दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक

पृष्ठ संख्या

कॉलम

समस्त हरियाणा न्यूज

21.06.2023

--

--

हकृवि में 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 21 जून। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'युज' नामक शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है-जुड़ना या मिलना। शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा का एक साथ मिलना ही योग कहलाता है। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विश्व चर्चा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे बुधवार को 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय और योग क्लब के संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यातिथि प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि अगर हमें जिंदगी में आगे बढ़ना



हे तो अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना होगा। योग सबसे बड़ी ताकत है, क्योंकि पूर्ण काल में बीमारियों का इलाज करने के लिए चिकित्सालय जैसी सुविधाएं नहीं थी, उस दौरान योग ही सबसे बड़ा माध्यम था, जिससे हर बीमारी का इलाज संभव हो पाया। मुख्यातिथि ने आग्रह किया कि जिंदगी

को अनर्दिष्ट बनाने के लिए सकारात्मक सोच, एकाग्रता व निरंतरता के साथ दैनिक-दिनचर्या में योग जरूर करें। इसके अलावा मुख्यातिथि ने स्वामी विवेकानंद के प्रसंगों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर एकाग्रता के साथ योग अपनाने पर भी बल दिया। योग अनुदेशक रोहतास व सुमन सहारण ने

प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योग क्रियाओं तथा प्राणायाम का अभ्यास करवाया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलाबादी ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की राय दीलाई। कार्यक्रम की शुरुआत में सह-निदेशक छात्र कल्याण

(खेल) डॉ. बलजीत गिरधर ने सभी का स्वागत किया, जबकि हकृवि योग क्लब के अध्यक्ष एवं मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य ने धन्यवाद किया। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, साई सेंटर के ईंचार्ज हरभजन सिंह सहित खिलाड़ी व स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.06.2023	--	--

दिनचर्या में योग को अपनाएं नागरिक : डॉ. कांबोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। योग से न केवल शारीरिक व मानसिक विकास होता है अपितु, अध्यात्मिक रूप से भी विकास होकर व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। इसलिए हर व्यक्ति को एकाग्रता व निरंतरता के साथ अपने दैनिक-दिनचर्या में योग को अपनाना चाहिए। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

कुलपति ने कहा कि अगर हमें जिंदगी में आगे बढ़ना है तो अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना होगा। मुख्यातिथि ने आह्वान किया कि जिंदगी को आनंदित बनाने के लिए सकारात्मक सोच, एकाग्रता व निरंतरता के साथ दैनिक-दिनचर्या में योग जरूर करें। इसके अलावा मुख्यातिथि ने स्वामी विवेकानंद के



एषाएयू में योग कार्यक्रम में योग करते योगार्थी।

प्रसंगों को बेहतर तरीके से प्रस्तुत कर एकाग्रता के साथ योग अपनाने पर भी बल दिया। सह-छात्र कल्याण निदेशक डॉ. संजय एलावादी ने भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को दिनचर्या में अपनाने की शपथ

दिलाई। इस अवसर पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की निदेशक डॉ. मंजू मेहता, साई सेंटर के इंचार्ज हरभजन सिंह सहित खिलाड़ी व स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिनांक 22-6-23	22-6-23	6	1-5

सलाह • कपास पर नीम आधारित कीटनाशक छिड़कें, पिछली फसल के टिंडे व पत्ते नष्ट करें कपास की फसल के पास बनछटियां, जिनिंग-बिनौला मिल न हों, वरना फसल में लग सकती है गुलाबी सुंडी

यशपाल सिंह | हिसार

खेत के आसपास जिनिंग-बिनौला मिल है या फसल के आसपास नरमा की बनछटियां (टिंडे तोड़ने के बाद बची लकड़ियां) रखी हैं, तो वहां गुलाबी सुंडी का प्रकोप होने की संभावना बढ़ जाती है। बनछटियों के टिंडे व पत्ते झाड़कर नष्ट कर देने चाहिए। फसल बिजाई के 35 से 40 दिन के बाद गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए 2 फेरोमोन टैप प्रति एकड़ लगाएं तथा इनमें फंसने वाले गुलाबी सुंडी के पतंगों को 3 दिनों के अंतराल पर गिनती करें। हकूवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि गुलाबी सुंडी और जड़ गलन का रोग कपास की फसल में आ सकता है। जून माह से ही इन रोगों से बचाव के लिए किसानों को जागरूक रहना चाहिए।

ज्यादा जहरीले कीटनाशकों का न करें प्रयोग, मित्र कीट हो सकते हैं कम



कपास की शुरुआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से मित्र कीटों की संख्या कम हो जाती है तथा रस चूसने वाले कीटों की समस्या बढ़ने लगती है। जून में कपास की फसल में थ्रिप्स/चूरड़ा का प्रकोप भी हो सकता है। 60 दिनों से कम अविध की फसल में थ्रिप्स संख्या यदि 30 थ्रिप्स प्रति 3 पत्ता मिले तो नीम आधारित कीटनाशक का प्रयोग करें। इसके बाद रासायनिक कीटनाशक अगर गुलाबी सुंडी के लिए प्रयोग किया गया हो तो थ्रिप्स की संख्या में भी कमी आती है।

कपास में पानी 40 से 50 दिन के बाद लगाएं, फव्वारा 4-5 दिन में ही चलाएं

जून में किसान कपास की फसल की नलाई कसोले या ट्रैक्टर से करें। खुला पानी 40 से 50 दिन बाद ही लगाएं। रेतिली मिट्टी में फव्वारा विधि से 4 से 5 दिन में ही पानी लगाएं। टपका विधि से भी सिंचाई कर रहे हैं तो 3 से 4 दिन में ही पानी लगाएं। यदि बिजाई के समय कुछ नहीं डाला है तो एक बैग यूरिया की जगह डीएचपी की बिजाई कर सकते हैं।

जड़ गलन से बचने के लिए रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर बाहर फेंक दें

हकूवि वैज्ञानिकों के अनुसार जड़ गलन रोग से प्रभावित पौधों के आसपास के स्वस्थ पौधों में कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर का बोल बनाकर 400 से 500 मिलीलीटर रोगग्रस्त पौधों की प्वम आसपास के स्वस्थ पौधों की जड़ों में डालना चाहिए। कपास की फसल को जड़ गलन और गुलाबी सुंडी से बचाव करने चाहिए।

बीमारी से बचाव के लिए ऐसे करें बचाव के उपाय
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनुसार कपास की फसल में जून से मध्य अगस्त तक कुल 12 से 15 पतंग प्रति टैप 3 दिन में आते हैं। फसल में बीबी/डोडी आ गई है तो कीटनाशक के छिड़काव की भी जरूरत है। इसके लिए पहला छिड़काव नीम आधारित कीटनाशक की 5 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से करें। कपास की फसल 60 दिनों की होने के बाद व गुलाबी सुंडी का प्रकोप फलीय भाग पर 5 से 10 प्रतिशत होने पर दूसरा छिड़काव प्रोफेनोफोस 50 ईसी की 3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।